

कल्पना जान से ज्यादा महत्वपूर्ण है। जान सीमित है। कल्पना दुनिया को घेरे रखती है। "

अल्बर्ट आइंस्टीन

स्कूल में खेल की क्या भूमिका है?

वयस्क अक्सर सोचते हैं कि खेल का कोई विशेष उद्देश्य नहीं है। हालांकि, बच्चों के शारीरिक, सामाजिक, बौद्धिक और भावनात्मक विकास के लिए खेलकूद आवश्यक है। इस वजह से, ब्रिटिश कोलंबिया में शिक्षकों को उन शिक्षण गतिविधियों को जिनमें खेलकूद शामिल है, का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

उदाहरणों में शामिल हैं:

- गणित और भाषा के खेल;
- भूमिका अदा करना;
- परस्पर असर करने वाले सामाजिक खेल जिनमें अवलोकन और तर्क की आवश्यकता होती है;
- मुक्त खेल कूद केंद्र; और
- खुली हवा में खेल।



इस तरह की गतिविधियों के माध्यम से, बच्चे अपनी कल्पना शक्ति का विकास, नियमों का पालन करना और अपनी अपनी बारी लेना सीखते हैं। इसके अलावा, बच्चे सामाजिक, भावनात्मक और बौद्धिक योग्यताएं विकसित करते हैं जिनसे उन्हें अपने आप और दूसरों के साथ काम करने में मदद मिलती है।

शिक्षक बच्चों को जोखिम लेने के लिए, रचनात्मक बनने के लिए, और नए विचारों का प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए प्रशिक्षित होते हैं, काम और खेलने के समय बच्चों का निरीक्षण लिए भी शिक्षक प्रशिक्षित होते हैं। वे अपने निरीक्षण का रिकॉर्ड रखते हैं और सीखने में वृद्धि करने के लिए उस का उपयोग करते हैं।

VSB

"Play as Work"

[Hindi]

यह ब्रोशर वैनकूवर स्कूल बोर्ड के सैटलमेंट वर्कर्स (VSB SWIS) द्वारा प्रायोजित किये गए कई ब्रोशरों में एक है। इसकी रचना कुछ ई.एस.एल. (ESL/ELL) शिक्षकों तथा वैनकूवर स्कूल बोर्ड के मल्टीकल्चरल लिएजों वर्कर्स (VSB MCLW) ने की है।

Canada

BRITISH COLUMBIA
The Best Place on Earth

WelcomeBC

यह ब्रोशर कनाडा और ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत की सरकार से धन के माध्यम से संभव बनाया गया है।

खेलकूद काम के रूप में



बच्चों के जीवन में खेलकूद का महत्व

खेल क्या है?

खेलकूद ऐसी गतिविधि है जिसे हम अपने आनंद के लिए करते हैं, या तो अकेले या दूसरों के साथ।

खेलकूद या तो स्वाभाविक हो सकता है या सुनियोजित हो सकता है।

स्वाभाविक खेलकूद

स्वाभाविक खेलकूद ऐसी गतिविधि है जिसमें बच्चे वयस्कों के कम से कम हस्तक्षेप के साथ भाग लेते हैं। स्वाभाविक खेलकूद के दौरान, बच्चे नियमों को विकसित करते हैं और अपने निर्णय स्वयं लेते हैं। इस तरह का खेलकूद गली में खेला जाने वाला हॉकी का खेल, दोस्तों या भरवाँ जानवरों के खिलौनों के साथ खेलने का अभिनय, या यूँ ही भागमदौड़ हो सकता है।

सुनियोजित खेलकूद

सुनियोजित खेलकूद में ऐसे पूर्व निर्धारित नियम होते हैं जिन्हें पालन करना खिलाड़ियों के लिए आवश्यक होता है।

सुनियोजित खेलकूद के दौरान अधिक वयस्क देखरेख होती है। सुनियोजित खेलकूद के उदाहरणों में फुटबॉल या हॉकी लीग, नाटक संघ, नृत्य क्लब, या शतरंज क्लब शामिल हैं।

किस प्रकार का खेलकूद बेहतर है?

दोनों प्रकार के खेलकूद का संतुलन सबसे अच्छा होता है। बहुत लोगों का मानना है कि आजकल बच्चों को पर्याप्त असंरचित, स्वाभाविक खेलकूद में भाग लेने का अवसर नहीं मिलता। इसके बजाय उन्हें संरचित कार्यक्रम में शामिल होने या टीवी देखने और कंप्यूटर गेम खेलने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

क्या खेलकूद महत्वपूर्ण है?

खेलकूद इतना महत्वपूर्ण है कि संयुक्त राष्ट्र उच्चायोग ने खेलने को हर बच्चे की एक बुनियादी अधिकार के रूप में मान्यता दी है। इसके अलावा, अनुसंधान से पता चला है कि खेलकूद बच्चों के सामाजिक, शारीरिक, बौद्धिक और भावनात्मक विकास के लिए आवश्यक है। खेल के माध्यम से बच्चों को प्राप्त होने वाली कुछ योग्यताएं निम्नलिखित हैं।

खेलने के दौरान बच्चे निम्नलिखित तरीकों से भाषा कौशल विकसित करते हैं:

- शब्द - खेल खेलना;
- अपने साथियों के साथ भूमिकाएं अदा कर के खेलना;

- गीत गाने या कवितायें आलापना, और
- नियमों का वर्णन करना और साथियों के साथ बातचीत।

खेलने के दौरान बच्चे सोचने की योग्यताएं इस प्रकार से विकसित करते हैं:

- खेल के नियमों को समझ कर;
- एक काल्पनिक दुनिया बना कर;
- पहेलियाँ हल कर के;
- सांचों के साथ इमारत बना कर;
- नई सामग्री के साथ प्रयोग कर के, और
- भविष्यवाणियां कर के।

खेलने के दौरान बच्चे सामाजिक योग्यताएं इस प्रकार से विकसित करते हैं:

- साँझ करना सीख कर और अपनी अपनी बारी ले कर;
- विभिन्न भूमिकाओं को निभा कर, और
- दूसरों के साथ काम कर के।

खेलने के दौरान बच्चे समस्या सुलझाने की योग्यताएं इस प्रकार से विकसित करते हैं:

- साथियों के साथ बातचीत कर के, और
- खुद को चुनौती दे कर या नए कौशल को सीखने की चुनौती ले कर।

खेलने के दौरान बच्चे छोटी और बड़ी मांसपेशियों के तालमेल को इस प्रकार से विकसित करते हैं:

- भाग कर, चढ़ाई चढ़ कर, फेंक कर, पकड़ कर, और कूद कर, और
- निर्माण कर के, ड्राइंग कर के, काट कर और चिपका कर।

खेलने के दौरान बच्चे आत्म सम्मान इस प्रकार से विकसित करते हैं:

- अपनी योजनाओं को कार्यान्वित कर, अपनी क्षमता के बारे में अधिक आत्मविश्वास पैदा करते हैं, और
- वयस्कों से हस्तक्षेप के बिना अपने विचारों को विकसित कर के और प्रयोग कर के।